

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काज़ी मक़दूम शफ़ीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१६७ वा शुक्रवार १७ जनवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रुपये पन्ने - ४

सैफ अली खान पर घर में घुसकर हमला

हालत स्थिर, हमले की वजह स्पष्ट नहीं

बॉलीवुड और राजनीतिक हलकों में खलबली

मुंबई: (जमीर काजी कि विशेष रिपोर्ट) प्रसिद्ध अभिनेता सैफ अली खान पर उनके बांद्रा स्थित फ्लैट में हमला होने की घटना से हलचल मच गई है। बुधवार रात करीब २ बजे हमलावर ने १२वीं मंजिल पर स्थित उनके फ्लैट में प्रवेश किया और सैफ पर हमला कर दिया। इस हमले में उन्हें चोटें आईं, जिनमें से दो घाव गंभीर बताए जा रहे हैं। उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। यह घटना बॉलीवुड और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गई है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए हमलावर की तलाश के लिए १० टीमें गठित की हैं।

राजनीतिक प्रतिक्रिया

राज्य में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए विपक्ष ने सरकार को मिशाने पर लिया है। कई नेताओं ने इस घटना को राज्य की गिरती कानून-व्यवस्था का उदाहरण बताया है। वहीं, सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कई तरह के तर्क-वितर्क हो रहे हैं।



घटना का विवरण

सैफ अली खान अपनी पत्नी करीना कपूर और बच्चों तैमूर व जहांगीर के साथ बांद्रा पश्चिम स्थित 'सदरु सरण' बिल्डिंग की १२वीं मंजिल पर रहते हैं। बुधवार रात करीब २ बजे, एक अज्ञात हमलावर फ्लैट में घुसा। हमलावर पहले तैमूर और

जहांगीर के कमरे में पहुंचा। वहां मौजूद महिला सहायक ने उसे देखकर शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर सैफ जाग गए और तुरंत मौके पर पहुंचे। महिला और हमलावर के बीच झगड़ा हो रहा था। सैफ ने महिला को बचाने की कोशिश की, जिसके दौरान

हमलावर ने चाकू से उन पर ६ बार वार किया। गर्दन और पीठ पर गंभीर चोट लगने के कारण सैफ खून से लथपथ हो गए। शोर सुनकर अन्य कर्मचारी और सुरक्षा गार्ड वहां पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर भाग चुका था।

पुलिस की जांच

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से हमलावर की पहचान कर ली है। यह पाया गया कि हमलावर ने पीछे की दीवार फांदकर इमारत में प्रवेश किया और सीढ़ियों का उपयोग करके १२वीं मंजिल तक पहुंचा। घटना के बाद, वह वापस भागने की कोशिश कर रहा था, जब उसका फुटेज कैमरे में रिकॉर्ड हो गया। पुलिस का मानना है कि हमलावर सैफ के घर के किसी कर्मचारी के परिचित हो सकता है। इस बात की जांच की जा रही है कि क्या यह घटना निजी दुश्मनी का नतीजा है या इसके पीछे कोई और मकसद है।

अस्पताल का बयान

लीलावती अस्पताल के सीईओ नीरज उत्तमानी ने बताया, सैफ अली खान को रात करीब ३:३० बजे अस्पताल लाया गया। उन्हें ६ घाव लगे थे, जिनमें से दो गहरे थे। एक घाव उनकी रीढ़ के पास था। न्यूरोसर्जन डॉ. नितिन डांगे और उनकी टीम ने सफल सर्जरी कर चाकू का टुकड़ा निकाला। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और उन्हें २४ घंटे निगरानी में रखा जाएगा।

केंद्र सरकारने सरकारी कर्मचारियों को दिया बड़ा तोहफा, ८वें वेतन आयोग को मंजूरी



मुंबई। (संवाददाता): केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ८वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनभोगी लंबे समय से ८वें वेतन आयोग का इंतजार कर रहे थे। सरकार के इस फैसले के बाद कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। लंबे समय से कर्मचारी ८वें वेतन आयोग को लागू करने की मांग कर रहे थे। अब जल्द ही एक समिति का गठन कर ८वें वेतन आयोग को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निवास पर हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। केंद्र सरकार के कर्मचारी संगठनों ने कैबिनेट सचिव से मिलकर ८वें वेतन आयोग की स्थापना की मांग की थी। इन संगठनों ने सरकार पर लगातार दबाव बनाया था। सरकार ने घोषणा की है कि ८वां वेतन आयोग २०२६ से लागू होगा। फिलहाल कर्मचारियों को ७वें वेतन आयोग के तहत

वेतन मिल रहा है। १ जनवरी २०१६ से ७वां वेतन आयोग लागू किया गया था, जिससे बड़ी संख्या में कर्मचारियों को लाभ मिला। अब ८वें वेतन आयोग के लागू होने से कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी होगी। चूंकि वेतन आयोग हर १० साल में लागू किया जाता है, नरेंद्र मोदी सरकार १ जनवरी २०२६ से ८वां वेतन आयोग लागू करेगी। यह कर्मचारियों के लिए एक बड़ा तोहफा माना जा रहा है। इससे पहले, २८ फरवरी २०१४ को ७वें वेतन आयोग की स्थापना की गई थी, और करीब डेढ़ साल बाद नवंबर २०१५ में इसे केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया गया था। ८वें वेतन आयोग को मंजूरी देकर मोदी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुश कर दिया है।

पालकमंत्री पदही रद्द करे-सुरेश नवले

बीड (संवाददाता): महाराष्ट्र में वर्तमान में पालकमंत्री (संपर्क मंत्री) का पद यह बहुत महत्वपूर्ण पद बन गया है। कभी-कभी महाराष्ट्र में पालकमंत्री पद नहीं था। वास्तव में पालकमंत्री पद की आवश्यकता ही नहीं थी। जिलों के पालकमंत्री मुख्यमंत्री समझकर काम करते थे। अधिकार एकत्रित होने से सत्ता का केंद्रीकरण हो गया और इससे अनियमितताएं बढ़ने लगीं। हमेशा मांगने पर वसूली का उद्योग शुरू हो गया। विभिन्न विभागों की निधि देने के बदले वसूली शुरू कर दी गई। यह महाराष्ट्र में सभी जगह हो रहा है। मुख्यमंत्री जी कुछ भी नहीं कर सकते, क्योंकि उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी हैं। पालकमंत्री पद न होने से विकास में रुकावट होती है, यह स्पष्ट है। पालकमंत्री जिले के सभी



मतदाताओं को समान न्याय नहीं देते। निधि वितरण में भेदभाव किया जाता है। इस कारण समतोल विकास रुक जाता है। जनप्रतिनिधियों को नजरअंदाज कर निधि वितरित किया जाता है। राज्य स्तरीय विभाग स्थायी मंत्री समिति या मंत्रिमंडल स्थापन कर जिलों की योजना उन समितियों को देने पर यह एकाधिकारी सत्ता और अनियमितताएं कम हो सकती हैं। मंत्रिमंडल में या मंत्री समिति में कितने मंत्री रह सकते हैं, यह मुख्यमंत्री का अधिकार है। ऐसा करने पर जिले की विकास योजनाओं को रोकने का काम खत्म हो सकता है। जिले के विकास को बढ़ावा मिल सकता है। यह प्रोफेसर सुरेश नवले ने कहा।

سرزمین بیڑ میں ۱۷ جنوری کو ملک کے معتبر و معروف قراء اور کرام کی آمد

مختار حسن قرأت

بروز جمعہ نو اجدار مغرب

بیتاریخ: ۱۷ جنوری ۲۰۲۵ء
۱۶ رجب المرجب ۱۴۴۶ھ

بیمقام: جامع مسجد قلعہ میدان، بیڑ بہار گجرات

زیر صدارت: حضرت مولانا قاری ساجد صاحب اولاد دامت برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

زیر سرپرستی: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب مظلہ العالی (ظریف و جازیب حضرت آدرش مفتی احمد صاحب خاوری مظلہ العالی)

قرآن کی تلاوت کرنے والے خصوصی قراء کرام

حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)
حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

نوٹ: اس پروگرام میں شامل تمام مساجد میں نماز مغرب میں شرکت فرما کر قرآن پاک کی تلاوت خوش الحان قارئین سے سن کر قرآن پاک سے عشق و محبت کا ثبوت دیں۔
الدرای: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب (دامت برکاتہم، استاذ و تفسیر و ترویج دارالعلوم بیڑ)

سرزمین بیڑ میں ۱۷ جنوری کو ملک کے معتبر و معروف قراء اور کرام کی آمد

بیتاریخ: ۱۷ جنوری ۲۰۲۵ء
۱۶ رجب المرجب ۱۴۴۶ھ

بیمقام: جامع مسجد قلعہ میدان، بیڑ بہار گجرات

زیر صدارت: حضرت مولانا قاری ساجد صاحب اولاد دامت برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

زیر سرپرستی: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب مظلہ العالی (ظریف و جازیب حضرت آدرش مفتی احمد صاحب خاوری مظلہ العالی)

قرآن کی تلاوت کرنے والے خصوصی قراء کرام

حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)
حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

نوٹ: اس پروگرام میں شامل تمام مساجد میں نماز مغرب میں شرکت فرما کر قرآن پاک کی تلاوت خوش الحان قارئین سے سن کر قرآن پاک سے عشق و محبت کا ثبوت دیں۔
الدرای: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب (دامت برکاتہم، استاذ و تفسیر و ترویج دارالعلوم بیڑ)

سرزمین بیڑ میں ۱۷ جنوری کو ملک کے معتبر و معروف قراء اور کرام کی آمد

بیتاریخ: ۱۷ جنوری ۲۰۲۵ء
۱۶ رجب المرجب ۱۴۴۶ھ

بیمقام: جامع مسجد قلعہ میدان، بیڑ بہار گجرات

زیر صدارت: حضرت مولانا قاری ساجد صاحب اولاد دامت برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

زیر سرپرستی: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب مظلہ العالی (ظریف و جازیب حضرت آدرش مفتی احمد صاحب خاوری مظلہ العالی)

قرآن کی تلاوت کرنے والے خصوصی قراء کرام

حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)
حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

نوٹ: اس پروگرام میں شامل تمام مساجد میں نماز مغرب میں شرکت فرما کر قرآن پاک کی تلاوت خوش الحان قارئین سے سن کر قرآن پاک سے عشق و محبت کا ثبوت دیں۔
الدرای: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب (دامت برکاتہم، استاذ و تفسیر و ترویج دارالعلوم بیڑ)

سرزمین بیڑ میں ۱۷ جنوری کو ملک کے معتبر و معروف قراء اور کرام کی آمد

بیتاریخ: ۱۷ جنوری ۲۰۲۵ء
۱۶ رجب المرجب ۱۴۴۶ھ

بیمقام: جامع مسجد قلعہ میدان، بیڑ بہار گجرات

زیر صدارت: حضرت مولانا قاری ساجد صاحب اولاد دامت برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

زیر سرپرستی: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب مظلہ العالی (ظریف و جازیب حضرت آدرش مفتی احمد صاحب خاوری مظلہ العالی)

قرآن کی تلاوت کرنے والے خصوصی قراء کرام

حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)
حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

نوٹ: اس پروگرام میں شامل تمام مساجد میں نماز مغرب میں شرکت فرما کر قرآن پاک کی تلاوت خوش الحان قارئین سے سن کر قرآن پاک سے عشق و محبت کا ثبوت دیں۔
الدرای: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب (دامت برکاتہم، استاذ و تفسیر و ترویج دارالعلوم بیڑ)

سرزمین بیڑ میں ۱۷ جنوری کو ملک کے معتبر و معروف قراء اور کرام کی آمد

بیتاریخ: ۱۷ جنوری ۲۰۲۵ء
۱۶ رجب المرجب ۱۴۴۶ھ

بیمقام: جامع مسجد قلعہ میدان، بیڑ بہار گجرات

زیر صدارت: حضرت مولانا قاری ساجد صاحب اولاد دامت برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

زیر سرپرستی: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب مظلہ العالی (ظریف و جازیب حضرت آدرش مفتی احمد صاحب خاوری مظلہ العالی)

قرآن کی تلاوت کرنے والے خصوصی قراء کرام

حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)
حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

نوٹ: اس پروگرام میں شامل تمام مساجد میں نماز مغرب میں شرکت فرما کر قرآن پاک کی تلاوت خوش الحان قارئین سے سن کر قرآن پاک سے عشق و محبت کا ثبوت دیں۔
الدرای: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب (دامت برکاتہم، استاذ و تفسیر و ترویج دارالعلوم بیڑ)

سرزمین بیڑ میں ۱۷ جنوری کو ملک کے معتبر و معروف قراء اور کرام کی آمد

بیتاریخ: ۱۷ جنوری ۲۰۲۵ء
۱۶ رجب المرجب ۱۴۴۶ھ

بیمقام: جامع مسجد قلعہ میدان، بیڑ بہار گجرات

زیر صدارت: حضرت مولانا قاری ساجد صاحب اولاد دامت برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

زیر سرپرستی: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب مظلہ العالی (ظریف و جازیب حضرت آدرش مفتی احمد صاحب خاوری مظلہ العالی)

قرآن کی تلاوت کرنے والے خصوصی قراء کرام

حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)
حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

نوٹ: اس پروگرام میں شامل تمام مساجد میں نماز مغرب میں شرکت فرما کر قرآن پاک کی تلاوت خوش الحان قارئین سے سن کر قرآن پاک سے عشق و محبت کا ثبوت دیں۔
الدرای: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب (دامت برکاتہم، استاذ و تفسیر و ترویج دارالعلوم بیڑ)

سرزمین بیڑ میں ۱۷ جنوری کو ملک کے معتبر و معروف قراء اور کرام کی آمد

بیتاریخ: ۱۷ جنوری ۲۰۲۵ء
۱۶ رجب المرجب ۱۴۴۶ھ

بیمقام: جامع مسجد قلعہ میدان، بیڑ بہار گجرات

زیر صدارت: حضرت مولانا قاری ساجد صاحب اولاد دامت برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

زیر سرپرستی: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب مظلہ العالی (ظریف و جازیب حضرت آدرش مفتی احمد صاحب خاوری مظلہ العالی)

قرآن کی تلاوت کرنے والے خصوصی قراء کرام

حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)
حضرت مولانا قاری محمد عارف صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری عثمان صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری اسحاق صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)	حضرت مولانا قاری سعید صاحب دست برکاتہم (استاذ قرأت و ترویج جامعہ اسلامیہ المیزان، بیڑ، گجرات)

نوٹ: اس پروگرام میں شامل تمام مساجد میں نماز مغرب میں شرکت فرما کر قرآن پاک کی تلاوت خوش الحان قارئین سے سن کر قرآن پاک سے عشق و محبت کا ثبوت دیں۔
الدرای: حضرت مولانا مفتی محمد عارف صاحب (دامت برکاتہم، استاذ و تفسیر و ترویج دارالعلوم بیڑ)

मसाजोग मामले के दोषियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए, लेकिन इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए-पूर्व विधायक भीमराव धोंडे

आष्टी, जावेद पठान बीड जिले के मसाजोग गांव के मृतक सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में दोषियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए, लेकिन इसमें किसी को राजनीति नहीं करनी चाहिए, ऐसा मत पूर्व विधायक भीमराव धोंडे ने व्यक्त किया।

मसाजोग मामले में पूर्व विधायक भीमराव धोंडे से कडा में पत्रकारों ने सवाल

पूछा तो उन्होंने अपनी राय प्रकट की। इस विषय पर आगे बोलते हुए धोंडे ने कहा कि अपराधियों की कोई जाति-पाति नहीं होती। अपराध ही उनकी असली पहचान होती है। जिस तरह से सरपंच संतोष देशमुख की निर्मम हत्या हुई, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। यह मानवता को शर्मसार करने वाली बात है। इसमें शामिल अपराधियों को, चाहे वे कोई भी हों, कड़ी से कड़ी

सज़ा मिलनी ही चाहिए, ऐसा उनका स्पष्ट मत है।

आगे बोलते हुए पूर्व विधायक धोंडे ने कहा कि इस विषय पर यदि कोई राजनीति कर रहा है तो वह ऐसा न करे। राजनीति के लिए और भी कई मंच उपलब्ध हैं। विकास के मुद्दों पर राजनीति की जानी



चाहिए, लेकिन ऐसे संवेदनशील विषयों पर राजनीति करके समाज में वैमनस्य फैलाने वाले बयान या कृत्य किसी से भी नहीं होने चाहिए। क्योंकि अपराधियों को किसी भी समाज का कभी समर्थन नहीं मिलता। उनकी अपराधी प्रवृत्ति के लिए कोई समाज जिम्मेदार नहीं होता। कुछ

अपराधियों की कर्तृत्वों से समाजों के बीच दूरी बढ़ाना उचित नहीं है।

पिछले कुछ दिनों से मीडिया में बीड को बिहार बनाया जा रहा है जैसी खबरें दिखाई जा रही हैं। ऐसी खबरों से बीड जिले की राज्यभर ही नहीं, बल्कि देशभर में बदनामी हो रही है। ऐसी खबरों को कृपया बंद किया जाए। ऐसी खबरों को बढ़ावा न मिले, इसका ध्यान जिले के

राजनेताओं को रखना चाहिए, ऐसा सुझाव भी पूर्व विधायक धोंडे ने दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में सीआईटी और एसआईटी गठित की है। साथ ही दोषियों पर मकोका लगाया गया है। सभी को संबंधित एजेंसियों पर विश्वास रखना चाहिए और बिना हस्तक्षेप उन्हें काम करने देना चाहिए, ऐसा भी भीमराव धोंडे ने कहा।

आत्महत्या के प्रयास के आरोप से आरोपी बरी-अंड.शेख इमरान

बीड (प्रतिनिधि): २०२१ में पति-पत्नी के विवाद को लेकर भरोसा सेल पुलिस अधीक्षक कार्यालय में चर्चा और काउंसलिंग चल रही थी। इसी दौरान पति ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया और डॉक्टरों ने उसका इलाज कर उसकी जान बचाई। इस घटना के कारण पुलिस ने उसके खिलाफ आत्महत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। इस मामले में बीड के मा. प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ने आरोपी को निर्दोष बरी कर दिया। इस

दौरान आरोपी की ओर से अदालत में पैरवी एड. शेख इमरान खाजा ने की।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी के अनुसार, ४ जनवरी २०२१ को भरोसा सेल पुलिस अधीक्षक कार्यालय बीड में इम्तियाज अमीन कुरैशी के खिलाफ उनकी पत्नी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर चर्चा और काउंसलिंग चल रही थी। इसी दौरान आरोपी बिना कुछ कहे



गया और बाहर जाकर जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद पुलिस ने तुरंत सरकारी वाहन से उसे सरकारी अस्पताल बीड में इलाज के लिए भर्ती कराया। इस घटना पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी इम्तियाज अमीन कुरैशी ने आत्महत्या का प्रयास किया। इस आधार पर धारा ३०९ भादवि के तहत बीड शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

किया गया।

इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने चार्जशीट बीड के मा. न्यायालय में दाखिल की। मुकदमे के दौरान मा. न्यायालय में सरकारी पक्ष की ओर से कुल ५ गवाह पेश किए गए। लेकिन पर्याप्त सबूत न होने के कारण आरोपी इम्तियाज कुरैशी को बीड के मा. प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी साहब ने निर्दोष बरी कर दिया। आरोपी की ओर से एड. शेख इमरान खाजा ने अदालत में पैरवी की, जिनका सहयोग एड. पंकज रायभोले, अनवर शेख और सूर्यकांत पवार ने किया।



बीड जिला भाषण प्रतियोगिता मिल्लत सेमी इंग्लिश स्कूल में आयोजित मिल्लत सेमी इंग्लिश स्कूल में आयोजित बीड जिला भाषण प्रतियोगिता में रुकैय बिनत शेख मोलाना अब्दुर्शीद साहिब ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता हासिल की। इस उपलब्धि पर मिल्लत स्कूल के उमैर सलीम साहिब, जाहिद सर, खुरशीद आलम साहिब, जलील पठान और मकील लाला समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बधाई दी।

मालेगांव: उर्दू का अनोखा साहित्यिक उत्सव रश्क-ए-बहारां के लिए तैयार

तीन दिवसीय साहित्यिक महोत्सव में देश की प्रमुख और प्रसिद्ध साहित्यिक हस्तियां लेंगी भाग



मालेगांव (खयाल असर): उर्दू भाषा और साहित्य के लिए प्रसिद्ध मालेगांव में ३१ जनवरी से २ फरवरी २०२५ के बीच रश्क-ए-बहारां नामक तीन दिवसीय उर्दू महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन वॉयस ऑफ उर्दू के तत्वावधान में एएमटी कैंपस (मालेगांव हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज) और उर्दू घर में होगा। इस महोत्सव में उर्दू शायरी, फिक्शन, पत्रकारिता और आधुनिक शैक्षणिक संसाधनों पर चर्चाएं होंगी। इसके साथ ही मुशायरा, शाम-ए-गज़ल, बेतबाज़ी और अलाव जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे। महोत्सव के संयोजक इम्तियाज खलील ने मीडिया को बताया कि उर्दू भाषा के प्रचार के लिए एनसीपीयूएल द्वारा आयोजित सफल पुस्तक मेला के बाद मालेगांव का नाम उर्दू दुनिया में प्रसिद्ध हुआ। हालांकि, उर्दू की कई महत्वपूर्ण हस्तियां अब तक इस शहर से परिचित नहीं हो सकी हैं। इन्हें मालेगांव से परिचित कराने के लिए रश्क-ए-बहारां का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम का विवरण पहला दिन (३१ जनवरी): महोत्सव का उद्घाटन ३१ जनवरी को शाम ४:३० बजे मालेगांव हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज (एएमटी कैंपस) के मैदान

में होगा। इसके बाद शाम ६ बजे शहर के १६ उर्दू हाई स्कूलों के बीच सील-ए-सुखन के नाम से बेतबाज़ी का मुकाबला होगा। इस अनोखे प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में पहुंचने वाली चार टीमों को क्रमशः २०,००० रुपये, १५,००० रुपये, १०,००० रुपये और ५,००० रुपये के नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। दूसरा दिन (१ फरवरी): दूसरे दिन उर्दू घर में आधुनिक शैक्षणिक संसाधन और उर्दू माध्यम स्कूल और मीडिया का बदलता स्वरूप और उर्दू पत्रकारिता जैसे विषयों पर चर्चाएं होंगी। इसमें देशभर से शिक्षा और पत्रकारिता जगत की प्रमुख हस्तियां हिस्सा लेंगी।

शाम ६ बजे एएमटी कैंपस में मशहूर गायक रमज़ान फेमस के सम्मान में शाम-ए-गज़ल का आयोजन होगा। इस दौरान रमज़ान फेमस की धुनों पर जयपुर घराने के उस्ताद रहमान अली और हैदराबाद की गायिका ज्योति शर्मा अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी। अलाव शीर्षक से आयोजित विशेष सत्र में फिन्मफेयर अवार्ड विजेता लेखक और रीशेनदान व लंकरखाना जैसी प्रसिद्ध किताबों के लेखक जावेद सिद्दीकी से उनकी ज़िंदगी और अनुभवों पर चर्चा होगी।

तीसरा दिन (२ फरवरी): तीसरे दिन उर्दू घर में कहानियों के बीच और उर्दू शायरी की नई शब्दावली और नए रूझान जैसे साहित्यिक और काव्यात्मक विषयों पर चर्चा होगी। शाम ६ बजे एएमटी कैंपस में उर्दू के प्रमुख शायरों की उपस्थिति में एक भव्य मुशायरा होगा। संयोजकों के विचार: इम्तियाज खलील ने कहा कि रश्क-ए-बहारां में देशभर से उर्दू साहित्य की प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। यह हस्तियां सिर्फ इस कार्यक्रम की नहीं, बल्कि मालेगांव शहर की मेहमान होंगी। हमारा प्रयास है कि जब वे मालेगांव से लौटें तो एक सकारात्मक और अनूठा अनुभव लेकर जाएं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विचार: राशिद अरशद मुख्तार (जामिया मोहम्मदिया, मंसूरा): इस महोत्सव से नई पीढ़ी में भाषा और साहित्य के प्रति एक नया जोश पैदा होगा। मुहम्मद रज़ा सर (एमएसई स्कूल के चेयरमैन): मालेगांव की विशेषता यह है कि यहां उर्दू केवल बोली नहीं जाती, बल्कि इसका उपयोग भी होता है।

जाहिद हुसैन सर (मालेगांव हाई स्कूल के प्रिंसिपल): हम महोत्सव के बेहतर आयोजन के लिए पूरी तैयारियां कर रहे हैं। अंत में, इम्तियाज खलील ने बताया कि महोत्सव में ब्लैकबोर्ड ड्राइंग प्रतियोगिता भी शामिल की गई है, जो गणतंत्र दिवस पर स्कूलों में सजाए गए ब्लैकबोर्ड के बीच आयोजित होगी। इसके निर्णायक मुंबई से आने वाले कलाकार मुख्तार काज़ी और मुनाफ़ शेख होंगे।

समाज में फैले दूषित माहौल को दूर करने के लिए संतों और विचारकों को आगे आना चाहिए-अंड.सर्जेराव तांदळे

बीड (प्रतिनिधि): वर्तमान में समाज में जो दूषित वातावरण फैला हुआ है, उसे दूर करने के लिए साधु-संतों और समाज के विचारकों को आगे आना चाहिए, ऐसा प्रतिपादन भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला महासचिव एडवोकेट सर्जेराव तांदळे ने किया है। यह बात उन्होंने आदर्श गांव वंजारवाड़ी में राष्ट्रसंत भगवान बाबा की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताह के दौरान कही। एडवोकेट तांदळे ने कहा कि समाज में हर जाति और धर्म के लोग एक-दूसरे से प्रेम करते हैं, एक-दूसरे के दुख-सुख में साथ रहते हैं, और संकट के समय मदद करने के लिए खड़े रहते हैं। लेकिन वर्तमान में समाज में जो गलत प्रवृत्तियों के कारण दूषित वातावरण फैल रहा है, वह आने वाली पीढ़ी और हमारे लिए बेहद खतरनाक है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता



और सभी धर्मों के प्रति समान भाव से जीने की आवश्यकता है। कुछ गलत प्रवृत्तियों के कारण समाज में इस दूषित माहौल को फैलाने नहीं देना चाहिए, यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इसे रोकने के लिए संतों, महंतों और विचारकों को आगे आकर इस कार्य को हाथ में लेना चाहिए। इस मौके पर आदर्श गांव वंजारवाड़ी में ह.भ.प. विनोदाचार्य प्रकाश महाराज साठे का कीर्तन संपन्न हुआ। उन्होंने अपने कीर्तन

से समाज में एकता और सद्भाव का संदेश दिया। वंजारवाड़ी में यह विशेष सप्ताह पिछले ६१ वर्षों से मनाया जा रहा है। इस सप्ताह का एक प्रमुख आकर्षण यह है कि पूरे सात दिनों तक गांव में सभी लोग मिलकर सामूहिक रूप से नाश्ता और दोपहर-रात का भोजन करते हैं। गांववासियों ने इस अवसर पर अपने सामाजिक सौहार्द और एकता को बनाए रखने की शपथ ली। ह.भ.प. प्रकाश महाराज साठे

ने कहा कि वंजारवाड़ी गांव की एकता और सामाजिक सौहार्द पूरे समाज के लिए एक आदर्श है और इसे सभी को अपनाना चाहिए। इस कार्यक्रम में ह.भ.प. महासंघ के अध्यक्ष आचार्य अमृताश्रमस्वामी महाराज, मुस्लीम बप्पा दाकणे, ह.भ.प. भरत अण्णा पठाडे, सरपंच वैजनाथ नाना तांदळे, लक्ष्मण पवार, अमर सानप, पंचायत समिति, ग्रामवासी, युवा वर्ग और महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

शिवसंग्राम के दबाव से नगर रोड के काम को मिली गति

शहर उपाध्यक्ष नदीम गनी ने आंदोलन की दी थी चेतवनी

बीड (संवाददाता): शहर से गुजरने वाले बीड-नगर रोड का काम पहले ही धीमी गति से चल रहा था। इसी बीच, संबंधित विभाग ने नोटिस देने के बावजूद नगरपालिका प्रशासन ने बालेपीर रोड की पाइपलाइन नहीं हटाई, जिससे रोड का काम बाधित हो रहा था। इस संदर्भ में शिवसंग्राम के शहर उपाध्यक्ष शेर नदीम गनी ने लगातार फॉलो-अप किया और आंदोलन की चेतवनी दी थी।



बालेपीर इलाके के रोड का काम पाइपलाइन हटाने में देरी के कारण रुक गया था। संबंधित विभाग ने नगरपालिका प्रशासन को इस बारे में सूचित किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जब इस मामले पर सवाल किए गए, तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी टालमटोल कर रहे थे। इस दौरान शिवसंग्राम के शहर उपाध्यक्ष शेर नदीम गनी ने नगरपालिका प्रशासन से सवाल किया कि बालेपीर रोड

पर खुदाई में बाधा बन रही पाइपलाइन हटाने के लिए उन्हें कितनी देर और लगेगी। साथ ही, उन्होंने शिवसंग्राम स्टाइल में आंदोलन करने की चेतवनी दी थी। इस चेतवनी के बाद, नगरपालिका प्रशासन ने पाइपलाइन को समय पर हटा दिया, जिससे पहले से धीमी गति से चल रहे बीड-नगर रोड के काम को गति मिली। शिवसंग्राम की इस कार्रवाई के बाद शुरू हुए काम को लेकर बीड के नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया है।